वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 263 शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

@ पेज 2 पर

बजट 2026-27 में युवा विकास एवं कल्याण की महत्वपूर्ण घोषणाएं

मुख्यमंत्री भजनलाल के विजन से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के भरपूर अवसर

स्टार्टअप्स की मजबूती के लिए मेंटरशिप व तकनीकी सुविधाओं का प्रावधान

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से 30 हजार युवा होंगे लाभान्वित

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप राजस्थान विधानसभा में पेश किया गया बजट 2026-27 गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारी शक्ति के कल्याण व सशक्तीकरण के कार्यों को मजबूती देगा। इस बजट में प्रदेश की बड़ी आबादी युवाओं को रोजगार एवं उद्यमिता के भरपूर अवसर उपलब्ध कराने के लिए जरूरी प्रावधान किए गए हैं, इससे युवा शक्ति को राज्य सरकार की विकसित राजस्थान-2047 की संकल्पना को भी साकार करने के लिए नई ऊर्जा मिलेगी। मुख्यमंत्री के ध्येय युवा नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बने, को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत एक लाख युवाओं को 10 लाख रूपए तक के ऋण पर शत प्रतिशत ब्याज अनुदान तथा मार्जिन मनी अनुदान आदि की सुविधा मिलेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि का प्रावधान कर 30 हजार युवाओं को इस योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए ठोस निर्णयों से प्रदेश में गत दो वर्ष से अधिक समय में पेपरलीक की घटनाओं पर लगाम लगी है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता को बनाए रखने, साथ ही अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से राजस्थान स्टेट टेस्टिंग एजेंसी (आरएसटीए) की स्थापना की जाएगी।

घोषित एवं प्रक्रियाधीन भर्ती परीक्षाओं को सप्ताह के सभी दिनों में आयोजित कराने के लिए ऑनलाइन टेस्टिंग सुविधायुक्त टेस्ट सेंटर के निर्माण का भी प्रावधान किया गया है। इससे शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई में भी अनावश्यक व्यवधान नहीं होगा। बजट में किए गए प्रावधानों में प्रमुख रूप से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रत्येक जिले में इंस्टिट्यूट ऑफ स्किल डवलपमेंट एवं वोकेशनल ट्रेनिंग, प्रदेश में उभरते स्टार्टअप्स की मेंटरशिप व स्केलिंग के लिए आईस्टार्ट एंबेसडर प्रोग्राम प्रारंभ किया जाएगा।

स्टार्टअप्स का होगा विकास, प्रत्येक जिले में चलेगा वाईब्रेंट प्रोग्राम

प्रतिभावान विद्यार्थियों के स्टार्टअप्स के विकास के लिए नॉलेज पार्टनर के सहयोग से प्रत्येक जिले के चयनित महाविद्यालय में वाईब्रेंट प्रोग्राम चलाया जाएगा। इसी प्रकार, महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए रोजगार परक कौशल, कैरियर गाइडेंस तथा डिजिटल मेंटोरिंग आवश्यक है। इसके लिए प्रौद्योगिकी सक्षम परामर्श प्रदान करने के लिए ड्रीम प्रोग्राम चलाया जाएगा। वहीं, नशामुक्त राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के लिए राजसेवरा कार्यक्रम चलाने का प्रावधान किया गया है।

स्किलिंग इको-सिस्टम बनेगा मजबूत, युवाओं को मिलेगा विदेशी भाषा का प्रशिक्षण

बजट 2026-27 में स्किलिंग इको-सिस्टम को मजबूत बनाने, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने तथा युवाओं के कौशल विकास के साथ ही उन्हें रोजगार परक बनाने का उद्देश्य रखा गया है, इसके लिए राज्य में पहली बार आउटकम बेस्ड स्किल इम्पैक्ट बॉण्ड लाया जाएगा। इसके तहत प्लेसमेंट आधारित मापदंड पूरे होने पर ही भुगतान होगा। हॉस्पिटैलिटी, आईटी एवं स्वास्थ्य सेवाओं जैसे ग्राहक केन्द्रित क्षेत्रों में वैश्विक अवसरों के लिए एक हजार युवाओं को अंग्रेजी, फ्रेंच, जापानी, जर्मन व कोरियन भाषा में प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी। असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत अनुभवी 20 हजार कामगारों को रिकॉग्निशन ऑफ प्रियोर लर्निंग के माध्यम से ट्रेड अनुसार मूल्यांकन एवं प्रमाणीकरण करवाया जायेगा।

नारायणा हॉस्पिटल में विशेष कॉन्फ्रेंस आयोजित

ब्रेन ट्यूमर से डरें नहीं बल्कि जागरुकता बढ़ाएं

जयपुर. कासं

ब्रेन ट्यूमर को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों और डर को दूर करने के उद्देश्य से नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 20 से 25 ऐसे मरीज शामिल हुए, जिनकी ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी लगभग 4 से 5 वर्ष पूर्व की गई थी। इन सभी मरीजों ने अपनी पोस्ट-सर्जरी यात्रा, चुनौतियों और सामान्य जीवन में वापसी के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह संदेश देना रहा कि समय पर पहचान, विशेषज्ञ उपचार और सही पुनर्वास से ब्रेन ट्यूमर के मरीज पूर्ण और सक्रिय जीवन जी सकते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. के. के. बंसल, सीनियर कंसल्टेंट-न्यूरोसर्जरी, ने कहा, ब्रेन ट्यूमर का नाम

सुनते ही मरीज और उनके परिजन भयभीत हो जाते हैं, जबकि आधुनिक न्यूरोसर्जरी, एडवांस इमेजिंग और सटीक सर्जिकल तकनीकों के कारण आज उपचार के परिणाम पहले से कहीं बेहतर हैं। अधिकांश मामलों में समय पर सर्जरी से मरीज सामान्य जीवन में लौट सकते हैं। हमें डर नहीं, बल्कि जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में उपस्थित मरीजों ने बताया कि सर्जरी के बाद शुरूआती दिनों में शारीरिक और मानसिक चुनौतियाँ सामने आईं, लेकिन डॉक्टरों की टीम, परिवार के सहयोग और नियमित फॉलोअप के कारण वे धीरे-धीरे पूरी तरह स्वस्थ जीवन की ओर लौटे। कई मरीज आज अपने पेशेवर और पारिवारिक दायित्वों को सामान्य रूप से निभा रहे हैं। नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के फैसिलिटी डायरेक्टर बलविंदर वालिया ने कहा, स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर बीमारियों के प्रति समाज में संवाद की कमी अक्सर मरीजों को समय पर उपचार लेने से रोकती है। हमारा उद्देश्य केवल इलाज प्रदान करना नहीं, बल्कि जागरूकता और विश्वास का वातावरण तैयार करना है।

सशक्तिकरण ग्रुप द्वारा तीन जरूरतमंद बालिकाओं के विवाह में सराहनीय सहयोग

शाबाश इंडिया। सशक्तिकरण ग्रुप की संरक्षक श्रीमती विजिया कोठारी ने बताया कि तीन जरूरतमंद बालिकाओं के विवाह हेतु ग्रुप के माध्यम से किए गए एक संक्षिप्त आह्वान पर सदस्यों से अत्यंत सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। इस सामूहिक प्रयास से कुल रुपए 1,80,000/- (एक लाख अस्सी हजार रुपये) की राशि एकत्र हुई, जिसका उपयोग विवाह के प्रतिभोज (भोजन) हेतु किया गया। यह पहल ग्रुप की सामाजिक संवेदनशीलता, एकजुटता एवं उत्तरदायित्व का एक प्रेरणादायी उदाहरण है। इस पुनीत सेवा कार्य में अभिलाषा जैन, गायत्री सिंघल, श्याम धूपिया, सरोज रुंगटा, चंद्रलता दूगड़, पद्मा चौरडिया, आभा साबू, सुमन शर्मा, लीना जैन, नीलू गुप्ता, सुमन जैन, रतन सोगानी, रानी पाटनी, मृदुला जैन, रश्मि भार्गव, सुजाता स्वर्णकार, संतोष बम, लता सुरेखा, मधु बाफना, गुलाब बोथरा, विजयलक्ष्मी शर्मा, मधु फोफलियां, सरला संघी एवं विजिया कोठारी ने सक्रिय योगदान दिया। विवाह को सुसंपन्न बनाने हेतु सदस्यों द्वारा बहुपयोगी सामग्री भी भेंट की गई, जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैं:

परिधानः शादी का जोड़ा, 31 साड़ियाँ, शॉल, स्वेटर, हैवी व नॉर्मल सूट, पैंट-शर्ट के जोड़े।
श्रृंगार एवं आभूषणः शादी के चूड़े, मेकअप सामग्री, आर्टिफिशियल ज्वेलरी सेट, चांदी की चुटकी, पर्स एवं चप्पल।
गृहस्थी का सामानः डबल व सिंगल बेडशीट, कंबल, बर्तन, क्रॉकरी आइटम, पानी की बोतलें, दीवार व हाथ घड़ी।
अन्यः सूखा राशन, विवाह का भोजन तथा तीनों बालिकाओं हेतु पृथक-पृथक नकद राशि के लिफाफे।
उपरोक्त समस्त सामग्री को तीनों बालिकाओं में सम्मानपूर्वक एवं सुव्यवस्थित रूप से वितरित किया गया। सशक्तिकरण ग्रुप ने सभी सहयोगी सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है और भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक सेवा कार्यों में सहभागी बने रहने का संकल्प दोहराया है।

मीडिया जगत और जैन समाज में शोक, समाजसेवी विवेक पाटोदी के पूज्य पिता श्री कमल पाटोदी का निधन

सीकर/जयपुर. शाबाश इंडिया। मीडिया क्षेत्र से जुड़े जैन समाज के प्रवक्ता एवं समाजसेवी विवेक पाटोदी के पूज्य पिताजी श्री कमल पाटोदी का सोमवार सुबह जयपुर स्थित निज निवास पर निधन हो गया। वे 68 वर्ष के थे और विगत कुछ समय से डिमेंशिया (स्मृति लोप) से पीड़ित थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही सीकर एवं दुर्गापुरा (जयपुर) समाज में शोक की लहर दौड़ गई। श्री कमल पाटोदी एक अनुशासित, सहज और परिवार के प्रति समर्पित व्यक्तित्व थे। वे न केवल अपने परिवार, बल्कि संपूर्ण समाज के लिए आदर्श थे। उन्होंने किशोरावस्था से ही कड़े धार्मिक नियमों का पालन किया; वे प्रतिदिन नियमपूर्वक आहार लेते थे, शाम 5 बजे के बाद अन्न-जल का पूर्ण त्याग रखते थे और सप्ताह में एक दिन उपवास करते थे। दसलक्षण, अष्टाह्निका और भादवा मास के दौरान वे नियम से एकभुक्त (एक समय भोजन) रहते थे एवं कंदमूल का पूर्ण त्याग रखते थे। उनका अंतिम संस्कार जयपुर के गायत्री नगर मोक्षधाम में धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ, जहाँ समाज के सैकड़ों गणमान्य लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। दिवंगत श्री पाटोदी अपने पीछे पत्नी, तीन पुत्र, एक पौत्र और तीन पौत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। विवेक पाटोदी ने अपने पिता को जीवन मूल्यों और अनुशासन का प्रतीक बताया। उनके निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शोक व्यक्त किया है। इसके साथ ही सीकर एवं जयपुर की विभिन्न संस्थाओं ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु संवेदनाएं प्रकट की हैं, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं: बीस पंथ आम्नाय बड़ा मंदिर सीकर कमेटी, दुर्गापुरा जैन मंदिर ट्रस्ट कमेटी एवं महिला मंडल, युवा संगठन, गोपीनाथ गौशाला समिति व गौ ग्रास संगठन (सीकर), रैवासा एवं छोटा गिरनार (बापूगांव) अतिशय क्षेत्र, दिगम्बर जैन विद्यालय सोसायटी व भगवान महावीर चैरिटी ट्रस्ट (सीकर), आचार्य ज्ञानसागर सेवा मंच, वात्सल्य सेवा समिति, जैन मित्र मंडल, जय जिनेन्द्र ग्रुप (सीकर), जैन बैंकर्स फोरम (जयपुर), पार्षद दामोदर मीणा एवं गौ माता सेवार्थ ग्रुप (दुर्गापुरा)। शोक सभा में वक्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि धर्म और नियमों का दृढ़ता से पालन करने वाले व्यक्तित्व के जाने से समाज में एक युग का अंत हो गया है।

अखिल दिगम्बर जैन गोलापूर्व महासमिति, राजस्थान का 18वां वार्षिक अधिवेशन एवं स्नेह मिलन समारोह जयपुर में संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल दिगम्बर जैन गोलापूर्व महासमिति, राजस्थान का भव्य स्नेह मिलन एवं 18वां वार्षिक अधिवेशन रविवार, 8 फरवरी 2026 को राणाजी की नशियां (खानिया), जयपुर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9:00 बजे पण्डित रमेशचन्द जैन (जोबनेर) के विधानाचार्यत्व में जिनेन्द्र अभिषेक एवं पंचपरमेष्ठी मण्डल विधान के साथ हुआ। विधान में प्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य श्री अजित कुमार जैन (अलवर), उदय चन्द जैन व जितेन्द्र शास्त्री (कोटा), मुकेश कुमार जैन ‡मधुर‡ (श्री महावीरजी), पण्डित देवेन्द्र जैन (केकड़ी), सत्येन्द्र जैन (संगीतकार) एवं पंडित अजीत कुमार ऐरोरा की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी विद्वानों का डॉ. विमल कुमार जैन और राजेश कुमार जैन ने स्वागत किया। ध्वजारोहण प्रतिष्ठाचार्य प्रद्युम्न शास्त्री द्वारा पुण्यार्जक डॉ. अरविन्द कुमार जैन (अध्यक्ष) एवं परिवार के सानिध्य में संपन्न हुआ। समारोह के दौरान सुश्री देशना जैन द्वारा बच्चों के लिए पाठशाला का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में 35 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसके संयोजक श्रीमती पूनम जैन, श्रीमती शिखा जैन एवं पण्डित दीपक शास्त्री थे।
जैन हाऊजीः इसमें 87 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें रोही जैन, श्रीमती प्रज्ञा जैन एवं राजेश कुमार जैन ने क्रमशः प्रथम तीन स्थान प्राप्त किए।
प्रश्नोत्तरीः उपाध्यक्ष हेमन्त जैन द्वारा संचालित ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी में सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।
दोपहर 1:00 बजे से प्रारंभ मुख्य सत्र डॉ. शीतलचन्द जैन के सानिध्य एवं डॉ. अरविन्द कुमार जैन की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैलाशचन्द मलैया एवं मुख्य संयोजक डॉ. विमल कुमार जैन थे। दीप प्रज्ज्वलन डॉ. सनत कुमार जैन (पूर्व अध्यक्ष), सन्तोष कुमार जैन एवं प्रो. डॉ. श्रीयांस सिंघई द्वारा किया गया। दिव्यांश जैन के मंगलगीत पर पाखी, अवनि, अनन्या एवं मैत्री ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुति दी।
महामंत्री राजेश कुमार जैन ने महासमिति की आगामी योजनाओं और प्रस्तावों को सदन के समक्ष रखा, जिसका सदस्यों ने करतल ध्वनि से अनुमोदन किया। प्रमुख प्रस्ताव इस प्रकार रहेः डॉ. शीतलचन्द जैन को महासमिति का स्थाई 'परम संरक्षक' मनोनीत किया गया। परामर्शक मण्डल का गठन तथा महिला एवं युवा प्रकोष्ठ का विस्तार। सम्मानित सदस्यता राशि 1100 से बढ़ाकर 5100 की गई। इस कोष के ब्याज से शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में जरूरतमंदों की सहायता की जाएगी। ई-परिचय विवरणिका तैयार करना और प्रतिभावान छात्रों का सम्मान। कार्यक्रम में 75 वर्षीय वरिष्ठ जनों, सेवानिवृत्त महानुभावों, पुण्यार्जक परिवारों एवं बाहर से आए 80 परिवारों का शॉल, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। महिला महासमितिः अध्यक्ष- श्रीमती वंदना जैन, महामंत्री- वर्षा जैन, कोषाध्यक्ष- मोनिका जैन। युवा महासमितिः अध्यक्ष- अजित जैन, महामंत्री- अभिषेक जैन, कोषाध्यक्ष- हरीश जैन। समारोह में जयपुर सहित दिल्ली, कोटा, अजमेर, उदयपुर, सीकर, गुड़गांव, भीलवाड़ा, ब्यावर और श्री महावीर जी सहित अनेक शहरों से समाजजन उपस्थित हुए। अंत में मुख्य संयोजक डॉ. विमल कुमार जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन पण्डित प्रद्युम्न शास्त्री, राजेश जैन, मनीष जैन एवं धीरेश जैन ने किया। सामूहिक सामायिक पाठ एवं वात्सल्य भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

नि:शुल्क इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा शिविर रविवार को

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। 12 फरवरी 2026 इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा परिषद, जयपुर की कोटा इकाई द्वारा जन सहयोग से एक दिवसीय नि:शुल्क इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन रविवार, 15 फरवरी को किया जाएगा। यह शिविर तलवंडी सेक्टर-1 स्थित शिव भगवती पार्क में आयोजित होगा। चिकित्सा परिषद के संरक्षक डॉ. आर.बी. गुप्ता तथा संभाग प्रभारी डॉ. शादाब अहमद ने बताया कि इस शिविर में कोटा के वरिष्ठ चिकित्सक अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे। शिविर के दौरान मरीजों की बी.पी. एवं शुगर की जाँच नि:शुल्क की जाएगी। साथ ही, परामर्श के उपरांत रोगियों को 10 से 15 दिनों की दवाएँ भी नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएँगी।

श्रेष्ठ एवं ज्येष्ठ आर्यिका माताजी ससंघ का हुआ भव्य मंगल मिलन

राजेश जैन 'दद्दू'. शाबाश इंडिया

अयोध्या। धर्मनगरी अयोध्या में श्रेष्ठ गणनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी एवं ज्येष्ठ आर्यिका गुरुमती माताजी व दृढ़मती माताजी का भव्य मंगल मिलन हुआ। श्रमण संस्कृति के समाधिस्थ संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महामुनिराज की प्रथम शिष्या ज्येष्ठ श्रेष्ठ आर्यिका रत्न गुरुमती माताजी, ज्येष्ठ श्रेष्ठ आर्यिका दृढ़मती माताजी एवं आर्यिका गुणमती माताजी ससंघ (कुल 54 पिच्छीधारी) का विशाल समूह तीर्थराज सम्मेद शिखर जी से चातुर्मास उपरांत पंचतीर्थों की वंदना करते हुए भगवान पारसनाथ की जन्मभूमि (वाराणसी) से पद विहार कर भगवान ऋषभदेव की जन्मभूमि अयोध्या पहुँचा। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि आर्यिका ससंघ की अगवानी स्थानीय कमेटी तथा उपस्थित समाज जनों द्वारा अत्यंत उत्साहपूर्वक की गई। अयोध्या में विराजमान गणनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी की संघस्थ आर्यिका चंदनामती माताजी, कर्मयोगी पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्र कीर्ति जी एवं अन्य श्रावक-श्राविकाओं ने संघ का वंदन-अभिनंदन किया। तत्पश्चात आर्यिका संघ ने श्री आदिनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद दोनों संघों का मिलाप हुआ, जहाँ ज्येष्ठ श्रेष्ठ गणनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी और गुरुमती माताजी का मिलन अत्यंत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ। इस दौरान आर्यिकाओं ने एक-दूसरे का कुशलक्षेम जाना और धर्म चर्चा की। इस पावन अवसर पर गणनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी ने आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महामुनिराज को श्रद्धापूर्वक नमोस्तु किया। उन्होंने खुरई नगर में आचार्य श्री के साथ बिताए गए उन अविस्मरणीय पलों को भी याद किया, जो इतिहास की धरोहर हैं। राजेश जैन 'दद्दू' ने जानकारी दी कि आर्यिका संघ का बुधवार, 11 फरवरी को अयोध्या नगरी में मंगल प्रवेश हुआ। वर्तमान में संपूर्ण संघ श्री आदिनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में विराजमान है। इतने विशाल संघ के दर्शन पाकर अयोध्या का जैन समाज भक्तिभाव से ओतप्रोत है।

मरणोपरांत पं. गुलाबचंद्र 'पुष्प' को 'संस्कृति संरक्षक अतिवीराचार्य सम्मान'

ललितपुर/दिल्ली. शाबाश इंडिया। जनपद के प्रागैतिहासिक तीर्थक्षेत्र नवागढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले प्रतिष्ठा पितामह पं. गुलाबचंद्र जी 'पुष्प' को मरणोपरांत 'संस्कृति संरक्षक अतिवीराचार्य सम्मान' से विभूषित किया गया। यह सम्मान देश की राजधानी दिल्ली स्थित केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में आचार्य श्री अतिवीरसागर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया। इस गरिमामय अवसर पर पुष्प परिवार की ओर से नवागढ़ तीर्थक्षेत्र के निदेशक एवं पं. गुलाबचंद्र पुष्प के सुपुत्र ब्र. जयकुमार निशांत सहित परिजनों–इंजी. अभिनव जैन, इंजी. लोहित जैन, इंजी. सुमित जैन, श्रीमती शर्मिला जैन, अनुभूति जैन एवं सोनिया जैन–ने सामूहिक रूप से यह सम्मान ग्रहण किया। सम्मान स्वरूप तीन लाख रुपये की राशि, प्रशस्ति पत्र, श्रीफल, अंगवस्त्र, तिलक, माला एवं 'बोलती जिनवाणी' भेंट की गई। आचार्य श्री अतिवीरसागर जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस कालखंड में दो-तीन वर्षों में मात्र एक पंचकल्याणक होता था, उस समय पं. गुलाबचंद्र जी पुष्प ने पूर्ण शुद्धि एवं आगम सिद्धांतों के अनुरूप 155 पंचकल्याणक सानंद संपन्न कराए। उन्होंने कहा कि नवागढ़ तीर्थ की खोज एवं विकास में पं. पुष्प जी का योगदान अतुलनीय है। उनकी स्मृति में 'श्री नवागढ़ गुरुकुलम' की स्थापना कर पुष्प परिवार ने संस्कृति संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय कार्य किया है। समारोह में अन्य विभूतियों को भी सम्मानित किया गया: उपाध्याय श्री रविंद्र मुनि जी: जिन शासन प्रभावना सम्मान, प्रो. वीरसागर जैन (दिल्ली): जैन न्याय दर्शन सम्मान, पक्षियों का धर्मार्थ चिकित्सालय (लाल मंदिर, दिल्ली): जीव दया परोपकार सम्मान। कार्यक्रम का संचालन विवेक जैन ने किया एवं आभार समीर जैन ने व्यक्त किया। इस उपलब्धि पर नवागढ़ तीर्थक्षेत्र के अध्यक्ष एडवोकेट सनत जैन, महामंत्री वीरचंद्र जैन नेकौरा, सुरेंद्र सोजना, अशोक मैनवार, प्रचारमंत्री डॉ. सुनील संचय सहित तीर्थक्षेत्र एवं गुरुकुलम समिति ने हर्ष व्यक्त किया। समारोह में चक्रेश जैन, स्वदेशभूषण जैन, पं. सनत कुमार, डॉ. सोनल जैन सहित देश भर से आए अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ आचार्य श्री का पिच्छी परिवर्तन एवं पूजन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

वेद ज्ञान

शोक सभाओं का दुर्भाग्यपूर्ण भव्यकरण

डॉ. प्रियंका सौरभ

किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके उत्सवों से नहीं, बल्कि उसके शोक से होती है। समाज दुःख को किस गरिमा और संवेदनशीलता के साथ व्यक्त करता है, यही उसकी मानवीय परिपक्वता का पैमाना है। दुर्भाग्यवश, आज हमारा समाज इस कसौटी पर पिछड़ता दिख रहा है। शोक सभाएं, जो कभी दुःख बांटने और शोकाकुल परिवार को संबल देने का सहज माध्यम थीं, अब धीरे-धीरे भव्यता, प्रदर्शन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा का मंच बनती जा रही हैं। आज प्रमुख अखबारों के पन्ने पलटते समय यह दृश्य सामान्य हो गया है कि एक ही व्यक्ति के लिए दर्जनों शोक संदेश एक ही दिन प्रकाशित होते हैं। वे अब साधारण सूचना नहीं, बल्कि रंगीन और बड़े फॉन्ट वाले विज्ञापनों का रूप ले चुके हैं। कभी कुछ पंक्तियों का श्वेत-श्याम संदेश ही पर्याप्त होता था, जिसमें सादगी, मौन और आत्मीयता होती थी। आज शोक संदेश का आकार और उसकी स्थिति सामाजिक हैसियत का प्रतीक बन गई है। यह विडंबना ही है कि हमने मृत्यु जैसे अंतिम सत्य को भी 'स्टेटस सिंबल' में बदल दिया है। शोक सभाओं का भौतिक स्वरूप भी इसी प्रवृत्ति का प्रतिबिंब है। अब घर के आंगन में बैठकर संवेदना प्रकट करने का चलन कम होता जा रहा है। उसकी जगह विशाल पंडालों, कालीन और भव्य साज-सज्जा ने ले ली है। कई बार ये सभाएं मैरिज गार्डन में आयोजित की जाती हैं, जहां का वातावरण शोक से अधिक किसी समारोह जैसा प्रतीत होता है। मंच पर मृतक का चित्र फूलों और रोशनी के बीच इस तरह सजाया जाता है कि वह श्रद्धांजलि कम और प्रदर्शन अधिक लगता है। शोकाकुल परिवार के सदस्यों की देहभाषा और पहनावे में भी वह स्वाभाविक सादगी लुप्त हो रही है, जो दुःख की गहराई को व्यक्त करती है। उपस्थित लोगों की संख्या अब संवेदना का नहीं, बल्कि प्रतिष्ठा का पैमाना है। कितनी गाड़ियां आईं और कितने रसूखदार लोग पहुंचे, इसकी चर्चा शोक सभा के बाद भी चलती रहती है। यह प्रवृत्ति केवल उच्च वर्ग तक सीमित नहीं है। मध्यमवर्गीय परिवार भी ''लोग क्या कहेंगे'' के डर से अपनी आर्थिक क्षमता से बाहर जाकर ऐसे भव्य आयोजन कर रहे हैं।

संपादकीय

ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव

लोकसभा के मौजूदा बजट सत्र में राजनीतिक तापमान असाधारण रूप से बढ़ गया है। विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस देकर संसद की कार्यशैली और स्पीकर की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में लाए गए इस प्रस्ताव पर लगभग 118 सांसदों के हस्ताक्षर बताए जा रहे हैं। इसे संविधान के अनुच्छेद 94(सी) और लोकसभा नियम 94(सी) के अंतर्गत लोकसभा

महासचिव को सौंपा गया है। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि अध्यक्ष ने सदन के संचालन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया। उनका कहना है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान विपक्षी नेताओं, विशेषकर राहुल गांधी, को पर्याप्त समय नहीं दिया गया। साथ ही, विपक्षी सांसदों के निलंबन के मामलों में अध्यक्ष की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। विपक्ष का यह भी आरोप है कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा कांग्रेस की महिला सांसदों के संदर्भ में दिए गए कथित आपत्तिजनक वक्तव्य पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इन घटनाओं को आधार बनाकर विपक्ष का तर्क है कि स्पीकर की संवैधानिक भूमिका निष्पक्ष मध्यस्थ की होती है, किंतु वर्तमान परिस्थितियों में यह संतुलन प्रभावित हुआ है। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और वाम दलों सहित कई विपक्षी दलों ने समर्थन दिया है। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इसमें भागीदारी नहीं की। कुछ प्रमुख नेताओं के हस्ताक्षर न होने को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा अवश्य है, परंतु कांग्रेस ने इसे सामूहिक रणनीति का हिस्सा बताया है। स्पष्ट है कि विपक्ष इस मुद्दे को व्यापक राजनीतिक विमर्श में बदलना चाहता है। दूसरी ओर, अध्यक्ष ओम बिरला ने एक उल्लेखनीय कदम उठाते हुए घोषणा की है कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और निर्णय होने तक वे लोकसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता नहीं करेंगे। यद्यपि नियमों में ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है, फिर भी उन्होंने नैतिक आधार पर स्वयं को प्रक्रिया से अलग रखने का निर्णय लिया है। यह कदम संसदीय परंपराओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे यह संदेश जाता है कि प्रक्रिया की निष्पक्षता सर्वोपरि है। सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक नोटिस में कुछ तकनीकी त्रुटियां पाई गईं, जिन्हें संशोधित करने के निर्देश दिए गए हैं। संशोधित प्रस्ताव को बजट सत्र के अगले चरण में चर्चा के लिए सूचीबद्ध किया जा सकता है। लोकसभा में सत्तारूढ़ दल के पास स्पष्ट बहुमत होने के कारण प्रस्ताव के पारित होने की संभावना कम आंकी जा रही है। इतिहास बताता है कि लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध ऐसे प्रस्ताव अत्यंत दुर्लभ रहे हैं और अब तक कोई भी स्पीकर इस आधार पर पद से नहीं हटाया गया है। यह पूरा घटनाक्रम संसद के भीतर बढ़ते ध्रुवीकरण और सत्ता-विपक्ष के बीच गहराते अविश्वास को रेखांकित करता है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, किंतु संस्थागत पदों की निष्पक्षता पर प्रश्न उठना चिंताजनक संकेत है। यदि आरोपों पर ठोस प्रमाण सामने नहीं आते, तो विपक्ष की रणनीति पर सवाल खड़े होंगे। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार

ललित गर्ग

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति दी है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन प्रेषित कर सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति नए भारत और विकसित भारत की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी परिवर्तन के साथ एक गहरी विडंबना भी उभर रही है—डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर अपराधों में तीव्र वृद्धि। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएं न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा विश्वास है। जब कोई व्यक्ति क्यूआर कोड स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही भरोसा फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी से टूटता है, तो डिजिटल विकास की अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। जैसे नकली नोटों की भरमार मुद्रा पर विश्वास डगमगा देती है, वैसे ही डिजिटल ठगी की पुनरावृत्ति नागरिकों को ऑनलाइन माध्यमों से दूर कर सकती है। यह केवल व्यक्तिगत हानि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। पारंपरिक और डिजिटल अपराधों के स्वरूप में महत्वपूर्ण अंतर है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित क्षेत्र तक सीमित रहती थी और अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है; वह किसी अन्य राज्य या देश में बैठकर कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अधिक और लाभ सीमित था, जबकि डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है। डिजिटल अपराध का एक मनोवैज्ञानिक पक्ष भी है। पीड़ित स्वयं को असहाय अनुभव करता है। शिकायत दर्ज कराने की जटिल प्रक्रिया, तकनीकी कारणों का हवाला और विलंबित कार्रवाई उसके भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास उत्पन्न करते हैं। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक गोल्डन ऑवर में बैंक खाते फ्रीज करने और लेन-देन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो धन की रिकवरी कठिन हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का दंड सुनिश्चित नहीं है। न्यायपालिका और सरकार ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता स्वीकार की है। अनेक हेल्पलाइन और प्लेटफॉर्म स्थापित किए गए हैं, किंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया और पारदर्शिता का अभाव दिखाई देता है। यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। यदि नागरिकों का भरोसा कमजोर होगा, तो नकद लेन-देन की प्रवृत्ति बढ़ सकती है, जिससे कैशलेस अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्रभावित होगा। विदेशी निवेशकों के लिए भी साइबर सुरक्षा की मजबूती एक महत्वपूर्ण संकेतक है। समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए। साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखकर विशेषीकृत एजेंसियों, तकनीकी विशेषज्ञों और त्वरित डेटा-साझाकरण तंत्र को सशक्त बनाना आवश्यक है। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, डेटा विश्लेषण और उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

सलेहा नगर (म.प्र.) में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी के सान्निध्य में भव्य पंचकल्याणक महोत्सवः मनाली पाटणी

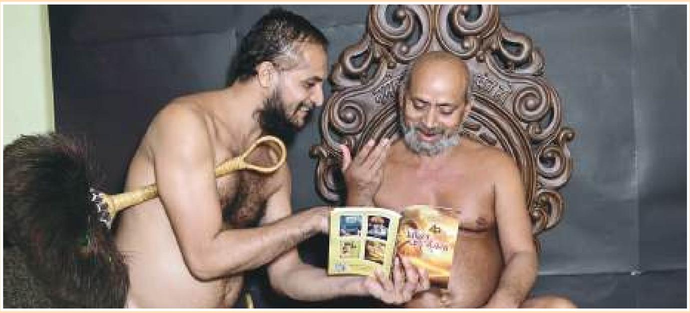

सलेहा. शाबाश इंडिया

सलेहा नगर के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि पट्टाचार्य परम पूज्य आचार्य भगवन श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश इस पावन धरा पर होने जा रहा है। आचार्य श्री के आशीर्वाद एवं मंगल सान्निध्य में 23 फरवरी 2026 से 2 मार्च 2026 तक भव्य पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह ऐतिहासिक आयोजन आर्यिका विन्ध्यश्री माता जी की पावन प्रेरणा एवं दृढ़ संकल्प का साकार रूप है। आचार्य श्री के आगमन की सूचना से समूचा क्षेत्र धर्ममय वातावरण से ओत-प्रोत हो उठा है। श्रद्धालुओं में अपार उत्साह है और नगर को वंदनवारों व ध्वजाओं से भव्य रूप से सजाया जा रहा है। महोत्सव के दौरान आचार्य श्री के मंगल प्रवचन एवं सान्निध्य से समाज को अपूर्व आध्यात्मिक ऊर्जा एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आज से लगभग 35 वर्ष पूर्व, वसंत की बहार में सलेहा की पावन वसुधा पर एक भावी संत का जन्म हुआ था। सौभाग्यशाली दंपत्ति श्रीमान प्रमोद जी जैन एवं श्रीमती सुशीला जी जैन के आंगन में 1 फरवरी 1991 को तीसरी संतान के रूप में पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। माता-पिता ने बालक का नाम 'अर्पित' रखा। उस समय किसे ज्ञात था कि माता-पिता का यह लाडला 'अर्पित' एक दिन स्वयं को 'जिनशासन' को समर्पित कर मुनि सर्वार्थ सागर के रूप में दिगंबरत्व को धारण करेगा। बाल्यकाल से ही कुशाग्र बुद्धि के धनी अर्पित अपने भाई-बहनों में सबसे छोटे और प्रिय थे। घर के कार्यों में अग्रणी रहने वाले अर्पित के खेल-कूद और चपलता से संपूर्ण परिवार सदैव आनंदित रहता था। विचित्र बातें प्रणेता मुनि श्री सर्वार्थ सागर महाराज जी की परम भक्त मनाली पाटणी ने भावुक होकर कहा– 'मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूँजी मेरी गुरुभक्ति है, और उस भक्ति का केन्द्र मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी हैं। वे केवल मेरे गुरु नहीं, बल्कि वह आत्मशक्ति हैं जो मुझे भीतर से संभालती हैं और अंधकार में प्रकाश का मार्ग दिखाती हैं।' उन्होंने आगे कहा कि मुनि श्री के प्रवचनों में माँ जैसी ममता और पिता जैसी दृढ़ता समाहित है। उनके चरणों में बैठकर जीवन की सारी उलझनें स्वतः सुलझ जाती हैं। श्री अभिषेक अशोक पाटील (कोल्हापुर) ने भी इस महोत्सव को लेकर अपनी मंगल भावनाएँ व्यक्त की हैं।

मुझे किसी भीड़ की जरूरत नहीं, मैं अकेला ही खुद एक कारवां हूँ

नितिन जैन. शाबाश इंडिया

मुझे किसी भीड़ की जरूरत नहीं मित्र, मैं अकेला ही खुद एक कारवां हूँ। यह वाक्य कोई अहंकार नहीं, बल्कि आत्मविश्वास की एक सीधी और सच्ची घोषणा है। भीड़ हमेशा सच के साथ नहीं होती; अक्सर भीड़ केवल 'सुविधा' के साथ खड़ी होती है। जो सही होता है, वह प्रायः अकेला होता है, और जो अकेले चलने का साहस रखता है, वही इतिहास में अपनी अमिट पहचान छोड़ता है। भीड़ का हिस्सा बनना आसान है, किंतु सवाल उठाना कठिन। तालियाँ पाना सरल है, पर सच बोलना भारी पड़ता है। इसीलिए जिसने सच को चुना, उसने अकेलेपन को भी सहर्ष स्वीकार किया। अकेला चलने वाला व्यक्ति किसी के इशारे पर नहीं चलता, वह अपनी अंतरात्मा के निर्देश पर आगे बढ़ता है। उसे न तो मंच की जरूरत होती है, न ही समर्थन की भीख। वह जानता है कि समय लग सकता है, चोटें लगेंगी, बदनामी भी होगी, पर अंततः सच को ही रास्ता मिलना है। भीड़ का सहारा अक्सर कमजोर इरादों को चाहिए होता है, मजबूत सोच को नहीं। मजबूत सोच तो तूफानों के बीच भी अकेले अडिग खड़ी रह सकती है। आज के समय में जब लोग संख्या से ताकत आंकते हैं, तब यह समझना जरूरी है कि संख्या नहीं, बल्कि 'संकल्प' बड़ा होता है। एक सच्चा व्यक्ति सौ झूठों पर भारी पड़ता है। भीड़ कभी ज़िम्मेदारी नहीं लेती, वह बस दिशा बदलती है। ज़िम्मेदारी हमेशा अकेले कंधों पर आती है, और वही कंधे इतिहास का बोझ उठाने के योग्य बनते हैं। इसलिए, यदि रास्ते में आप अकेले हैं, तो इसे अपनी कमजोरी मत समझिए; यह इस बात का संकेत है कि आप भीड़ से कहीं आगे की सोच रहे हैं। कारवां बनने के लिए ऊंटों की कतार नहीं, बल्कि एक स्पष्ट लक्ष्य चाहिए। जिस दिन लक्ष्य साफ हो जाता है, उसी दिन अकेलापन शक्ति में बदल जाता है। लोग पीछे से पत्थर फेंकते हैं, सवाल उठाते हैं और चरित्र पर उंगलियां भी उठाते हैं, पर वही लोग समय आने पर उसी रास्ते का अनुसरण करने की कोशिश करते हैं जिसे कभी उन्होंने गलत कहा था। इतिहास गवाह है, हर महान परिवर्तन पहले एक व्यक्ति के भीतर जन्म लेता है, भीड़ तो बहुत बाद में जुड़ती है। इसलिए, मुझे किसी भीड़ की जरूरत नहीं। मैं समर्थन से नहीं, सत्य से चलता हूँ। मैं शोर से नहीं, विवेक से निर्णय लेता हूँ। अगर रास्ता लंबा है तो भी ठीक है, अगर संघर्ष ज्यादा है तो भी स्वीकार है, क्योंकि मंज़िल भीड़ की नहीं, बल्कि उस 'अकेले' की होती है जो अंत तक मैदान में डटा रहता है। मैं अकेला हूँ, पर कमजोर नहीं। मैं अकेला हूँ, पर दिशाहीन नहीं। मैं अकेला हूँ, क्योंकि मैं खुद एक कारवां हूँ।

श्री शांतिनाथ महामंडल विधान के साथ आदिश्वर धाम मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

आदिश्वर धाम सुभाष गंज में भव्य 'श्री शांतिनाथ महामंडल विधान' एवं 'विश्व शांति महायज्ञ' के आयोजन के साथ नवनिर्मित मंदिर का विधि-विधान पूर्वक निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाष्टक पाठ और जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों के साथ हुआ। इससे पूर्व भगवान का कलशाभिषेक कर जगत कल्याण की भावना से महाशांतिधारा की गई। शांतिधारा का सौभाग्य जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कांसल, राजकुमार कांसल, विकास रिक्कू, भारत, महेश घमंडी, उमेश सिंघई सहित अन्य भक्तों को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि मुनि पुंगव के आशीर्वाद से हम इस भव्य मंदिर निर्माण को शीघ्र पूर्ण करेंगे। जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कांसल ने संबोधित करते हुए कहा कि निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के मार्गदर्शन में आदिश्वर धाम का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने मंदिर की रूपरेखा बताते हुए कहाः प्रथम तलः यहाँ भगवान आदिनाथ (बड़े बाबा) की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी। द्वितीय तलः यहाँ भगवान मुनि

सुव्रतनाथ स्वामी का भव्य समवशरण विराजमान होगा। तृतीय तलः इस मंजिल पर भगवान चंद्रप्रभु, भगवान महावीर और भगवान शांतिनाथ स्वामी की प्रतिमाएँ विराजमान होंगी। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि मुनि श्री के आशीर्वाद से मंदिर निर्माण की अवधि के दौरान यहाँ प्रतिदिन 'श्री भक्तामर महामंडल विधान' का आयोजन किया जाएगा। इसमें नगर के प्रत्येक परिवार को सहभागिता का अवसर मिलेगा। जिन परिवारों ने नाम दर्ज कराए हैं, वे अपनी तिथि प्राप्त कर सपरिवार इस भक्ति अनुष्ठान में सम्मिलित हों। विधान के

प्रारंभ में आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन उमेश सिंघई, शैलेन्द्र श्रागर, राजेश कांसल और महेश घमंडी द्वारा किया गया। इसके पश्चात मंत्रोच्चार के साथ मंडल पर श्रीफल और अर्घ्य समर्पित किए गए। बड़ी संख्या में महिला मंडल और श्रावकों ने भक्ति भाव से नाचते-गाते हुए आराधना की। इस अवसर पर महामंत्री राकेश अमरोद, संयोजक उमेश सिंघई, मंत्री विजय धुर्रा, सचिन कांसल, विकास भारत, राजकुमार कांसल, अशोक कक्का सहित समाज के अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

भगवान सबको अवसर देता है, हम उसका उपयोग कैसे करते हैं यह हम पर निर्भर: आर्यिका नन्दीश्वर मति

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य सन्मति सागर महाराज की शिष्या आर्यिका रत्न नंदीश्वर मती माताजी ससंघ का मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। बाजे-गाजे और जयकारों के साथ निकले जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। जगह-जगह पाद प्रक्षालन और आरती उतारकर माताजी का स्वागत किया गया। इस दौरान श्रद्धालु ''आज मेरी गुरु माँ कुटिया में आई है'' और ''जैन धर्म के हीरे मोती'' जैसे भजनों पर झूमते नजर आए। अवसरों का सदुपयोग ही जीवन की सार्थकता मंदिर में भगवान के दर्शन के पश्चात आयोजित धर्मसभा में दिव्य देशना देते हुए माताजी ने कहा कि भगवान सबको समान अवसर देता है। यह मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह उन अवसरों का उपयोग कैसे करता है। कुछ लोग चंदन की लकड़ी को पहचान कर उसे ऊँची कीमत पर बेचते हैं, वहीं कुछ अज्ञानी उसे जलाकर कोयला बना देते हैं। उन्होंने उपदेश दिया कि जीवन में मिलने वाले समय और अवसरों का सदुपयोग करना ही

सच्ची बुद्धिमानी है। धार्मिक कार्यक्रमों की धूम संगठन मंत्री सुनील जैन गंगवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ कान्ता देवी, मुकेश-अनिता बडजात्या द्वारा दीप प्रज्वलन और चंदा देवी, महेंद्र कासलीवाल द्वारा पाद प्रक्षालन से हुआ। अध्यक्ष जे.के. जैन, मंत्री ज्ञान बिलाला, कोषाध्यक्ष हेमेन्द्र सेठी और उपाध्यक्ष लोकेश सोगानी ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि 15 और 16 फरवरी को मंदिर का वार्षिक उत्सव माताजी के पावन सानिध्य में मनाया जाएगा। इस उत्सव के दौरान मानस्तंभ स्थित प्रतिमाओं का विशेष अभिषेक एवं महावीर विधान पूजन का भव्य आयोजन होगा। प्रमुख जनों की उपस्थिति इस मंगल प्रवेश के अवसर पर चोमू बाग समाज के अध्यक्ष अशोक छाबड़ा, मंत्री आशीष पाटनी, संघ संचालक महावीर कटारिया, संतोष कासलीवाल, कैलाश सेठी, राजेंद्र सोनी, सुनील गोधा, नवीन बाकलीवाल, सतीश कासलीवाल, सुशीला टोंग्या, रजनी लुहाड़िया सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

डिस्ट्रिक्ट 3231 A1 द्वारा दिव्यांग ओलंपिक्स 2026 का सफल आयोजन

मुंबई. शाबाश इंडिया। विश्वभर में अपने सेवा कार्यों के लिए विशिष्ट पहचान रखने वाली **Lions Clubs International** के डिस्ट्रिक्ट 3231 ए1 द्वारा गुरुवार को मुंबई के नेपियन सी रोड स्थित प्रियदर्शनी पार्क में ''दिव्यांग ओलंपिक्स 2026'' का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पिछले 27 वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा यह विशेष उपक्रम दिव्यांग विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, मनोबल और खेल भावना को सशक्त बनाने का माध्यम बन चुका है। इस वर्ष भी आयोजन में मुंबई के लगभग 35 विद्यालयों के 1000 से अधिक विशेष

बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेल मैदान में बच्चों का जोश, ऊर्जा और मुस्कान पूरे वातावरण को भावुक और प्रेरणादायक बना रही थी। इस विशाल आयोजन की रूपरेखा वरिष्ठ एवं उत्साही सदस्य कृष्णकांत उदेशी के मार्गदर्शन में तैयार की गई। 91 वर्ष की आयु में भी उनकी सक्रियता और समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने बताया कि इस ओलंपिक आयोजन की तैयारियाँ लगभग छह माह पूर्व ही प्रारंभ हो जाती हैं। समाज के उदार सहयोग और लायंस क्लब के समर्पित सदस्यों के संयुक्त प्रयास से यह सेवा कार्य हर वर्ष सफलता के साथ संपन्न होता है। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, मुंबई के अध्यक्ष दिलीप माहेश्वरी तथा संगठन की मुंबई इकाई के सदस्य मंगलचंद सेठ विशेष रूप से उपस्थित रहे। अध्यक्ष दिलीप माहेश्वरी ने आयोजकों को साधुवाद देते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चों के मानसिक और शारीरिक सशक्तिकरण हेतु इस प्रकार के आयोजन अत्यंत स्तुत्य हैं। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से अपील की कि ऐसे सामाजिक एवं प्रेरक कार्यों के लिए आयोजक संस्थाओं को विशेष सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान किया जाना चाहिए। मंगलचंद सेठ ने अपने संबोधन में कहा कि मुंबई की अन्य सामाजिक संस्थाओं को भी इस पहल से प्रेरणा लेकर विशेष बच्चों के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए, जिससे समाज में समावेशन और संवेदनशीलता को बढ़ावा मिले।

पदमपुरा (बाड़ा) में 18 फरवरी से आयोजित होगा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव; तैयारियां युद्ध स्तर पर

30 से अधिक समितियों का हुआ गठन, देश भर से जुटेंगे लाखों श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पद्मप्रभु की अतिशयकारी धरा, विश्व प्रसिद्ध दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा) में भक्ति और शक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ (32 पिच्छीका) एवं गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आगामी 18 से 22 फरवरी तक भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होने जा रहा है। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन (दौसा) एवं मानद मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी ने बताया कि नव-निर्मित खडगासन चौबीसी की प्रतिष्ठा और 125 फीट ऊंचे पद्मबल्लभ शिखर पर कलश व ध्वजारोहण महामहोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन में देश भर से लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

30 से अधिक कार्य समितियों का गठन

प्रतिष्ठाचार्य पं. हंसमुख जैन (धरियावद) के निर्देशन में होने वाले इस पांच दिवसीय आयोजन को सुचारू बनाने के लिए 30 से अधिक विशेष कमेटियों का गठन किया गया है। मुख्य पदाधिकारियों में सुधीर कुमार जैन (समारोह अध्यक्ष), हेमंत सोगानी (समारोह महामंत्री) और राज कुमार कोठ्यारी (समारोह कोषाध्यक्ष) को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रमुख समितियों के संयोजक:

समारोह संयोजक: राजकुमार कोठ्यारी
स्वागत समिति: न्यायाधिपति नरेंद्र कुमार जैन
वित्त व्यवस्था: ज्ञान चंद झांझरी व राजेश कुमार सेठी
आवास व जल: जितेंद्र मोहन जैन
मुनि संघ व आहार व्यवस्था: महावीर प्रसाद पाटनी
पांडाल व विद्युत: प्रेमचंद छाबड़ा
प्रचार-प्रसार: सुरेश सबलावत एवं मीडिया प्रभारी: विनोद जैन कोटखावदा
भोजन व्यवस्था: नरेंद्र कुमार पांड्या

पांच दिवसीय महोत्सव का कार्यक्रम

समिति के संयोजक राजकुमार कोठ्यारी ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 18 फरवरी (बुधवार) को ध्वजारोहण एवं गर्भ कल्याणक के साथ होगा। इसके बाद:

19 फरवरी: जन्म कल्याणक महोत्सव
20 फरवरी: तप कल्याणक महोत्सव
21 फरवरी: केवल्य ज्ञान कल्याणक
22 फरवरी: मोक्ष कल्याणक एवं भव्य समापन।

यातायात सुविधा व पोस्टर विमोचन

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जयपुर की विभिन्न कॉलोनियों से पदमपुरा के लिए विशेष बसें लगाई जाएंगी। हाल ही में क्षेत्र कमेटी के कार्यालय में महोत्सव के बहुरंगी पोस्टर का विमोचन भी किया गया, जिसमें सुधीर जैन, हेमंत सोगानी, ज्ञान चंद झांझरी, पदम चंद बिलाला सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

असम के मोरीगांव पंचकल्याणक में वीर सेवक मंडल जयपुर ने दी सेवाएं; मुनि अरिजीत सागर जी का मिला आशीर्वाद

जयपुर/गुवाहाटी. शाबाश इंडिया

असम के मोरीगांव (जागी रोड) स्थित 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में जयपुर के श्री वीर सेवक मंडल को मुनि 108 श्री अरिजीत सागर जी महाराज का पावन आशीर्वाद प्राप्त हुआ। मंडल के दलपति शरद जैन बाकलीवाल ने बताया कि मोरीगांव जैन समाज समिति के विशेष निमंत्रण पर मंडल का 15 सदस्यीय दल 4 फरवरी 2026 को जयपुर से रवाना हुआ था। इस दल का नेतृत्व दलपति शरद बाकलीवाल, उप-दलपति पंकज दातारामगढ़, संयोजक सौभागमाल जैन और ओम प्रकाश जैन ने किया। महोत्सव के दौरान मंडल के सदस्यों ने अनुशासन और सेवा भाव के साथ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि 108 श्री अरिजीत सागर जी महाराज ने मंडल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने मंडल की सेवा भावना को अनुकरणीय बताते हुए सभी सदस्यों को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। मंडल के इस सेवा कार्य से न केवल जयपुर का मान बढ़ा है, बल्कि सुदूर पूर्वोत्तर में भी जैन धर्म की सेवा परंपरा को मजबूती मिली है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

ब्रिटी स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का प्रथम वार्षिकोत्सव 'पेज टु स्टेज' संपन्न; महापुरुषों की वीरगाथाओं ने मोहा मन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

पुर रोड स्थित ब्रिटी स्कूल ऑफ एक्सीलेंस - संत सुधा सागर दिगम्बर जैन संस्थान में प्रथम वार्षिक उत्सव 'पेज टु स्टेज' का रंगारंग आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने महापुरुषों के जीवन और भारतीय संस्कृति पर आधारित शानदार प्रस्तुतियों से उपस्थित हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुधा सागर स्पोर्ट्स एकेडमी का हुआ उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसी अवसर पर विद्यालय परिसर में नवनिर्मित 'सुधा सागर स्पोर्ट्स एकेडमी' का भव्य उद्घाटन भी किया गया। कोयर ग्रुप के विद्यार्थियों ने सुमधुर णमोकार मंत्र का जाप कर वातावरण को आध्यात्मिक बनाया।

न्यायिक और सामाजिक हस्तियों ने की शिरकत

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला जज (भीलवाड़ा) अभय जैन, जिला जज (अजमेर) राजेश जैन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नागेंद्र सिंह, डीएलएसए सचिव विशाल भार्गव, आरसीएम ग्रुप के अध्यक्ष त्रिलोकचंद छाबड़ा और डॉ. नरेश पोरवाल उपस्थित रहे। विद्यालय निदेशक अकिन चौधरी, सह-निदेशिका शिल्पा चौधरी, प्रधानाचार्य विनीत जैन और एडमिन हेड याचिका चौधरी ने अतिथियों का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिखा शौर्य और साहस

'पेज टु स्टेज' थीम के तहत विद्यार्थियों ने किताबों के पन्नों से निकलकर महापुरुषों को मंच पर जीवंत कर दियाः

वीरगाथाएँः कक्षा 3 और 5 के छात्रों ने महाराणा प्रताप के शौर्य और संभाजी महाराज की वीरता को ओजपूर्ण नृत्य के माध्यम से दर्शाया।

प्रेरणादायक नृत्यः कक्षा 1 और 2 के बच्चों ने मिल्खा सिंह और अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला के साहस को नमन किया।

कला और अभिनयः कक्षा 4 के विद्यार्थियों ने नृत्य सम्राट बिरजू महाराज की भंगिमाओं और

सीनियर केजी के बच्चों ने अमिताभ बच्चन के व्यक्तित्व को 'बिग बी' नृत्य से प्रस्तुत किया।

विविध रंगः नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा 'जंगल रिदम' और 'स्टार-लाइट फेयरी-टेल' की प्रस्तुतियों ने सबका दिल जीत लिया।

प्रतिभाओं का सम्मान

अतिथि अभय जैन ने बच्चों के टैलेंट की सराहना करते हुए उन्हें उज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। एक विशेष पहल के तहत विद्यार्थियों ने विद्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का भी अभिनंदन किया। अंत में, भव्य आतिशबाजी और 'ग्रैंड फिनाले' के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। एडमिन हेड याचिका चौधरी ने आभार व्यक्त किया और कीर्ति शर्मा व अदिति पाराशर ने प्रभावी मंच संचालन किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बजट से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

राजस्थान की प्रगति को मिलेगी नई दिशाः सुरेन्द्र पांडया

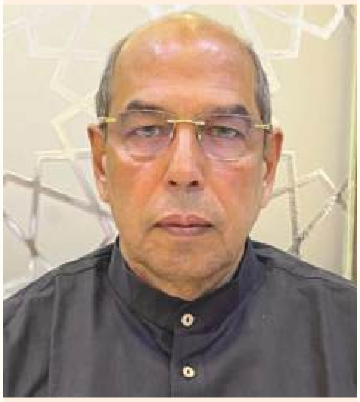

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री और पत्थर निर्यातक (संचालक, अग्रसेन ग्रेनाइट एंड स्टोन) सुरेन्द्र कुमार जैन पांड्या ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे भविष्योन्मुखी और विकासवादी बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट दूरगामी दृष्टिकोण के साथ पेश किया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम आने वाले समय में स्पष्ट रूप से दिखाई देंगे। शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर जोर पांड्या ने बताया कि बजट में शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत भवनों के रखरखाव और नवीनीकरण के लिए विशेष बजट आवंटित किया गया है, जो एक सराहनीय कदम है। साथ ही, आधारभूत संरचना पर 1 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान और 42 हजार किलोमीटर तक सड़कों का जाल बिछाने की योजना राजस्थान की प्रगति को नई गति प्रदान करेगी। युवाओं और व्यापार के लिए बड़ी राहत युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए बिना प्रतिभूति (गारंटी) 10 लाख रुपये तक के ऋण की व्यवस्था को उन्होंने ऐतिहासिक बताया। इससे नए उद्यमों और छोटे व्यवसायों को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। निवेशकों की सुविधा के लिए 'एक आवेदन, एक डिजिटल मार्ग' की व्यवस्था से व्यापारिक सुगमता बढ़ेगी। उद्योगों के लिए प्रोत्साहन वस्त्र उद्योग में पूंजीगत अनुदान की योजना और अब विनिर्माण के साथ-साथ सेवा क्षेत्र को भी निवेश प्रोत्साहन योजना का लाभ मिलना उद्योगों के लिए क्रांतिकारी साबित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इन कदमों से न केवल प्रदेश में निवेश बढ़ेगा, बल्कि औद्योगिक और सेवा क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

धर्म, राजनीति और दलालीः समाज के टूटते सूत्रों की एक साधारण-सी बात

नितिन जैन. शाबाश इंडिया

धर्म मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने के लिए आया था। उसका मूल उद्देश्य करुणा, संयम, सत्य और आपसी विश्वास को मजबूत करना था। धर्म का शाश्वत संदेश यही है कि व्यक्ति पहले श्रेष्ठ इंसान बने, फिर किसी पंथ या विचारधारा का अनुयायी। किंतु, समय के साथ जैसे-जैसे धर्म के मंच का विस्तार हुआ, वैसे-वैसे उसके नाम पर निजी स्वार्थ भी पनपने लगे। आज विडंबना यह है कि धर्म साधना का विषय कम और प्रदर्शन का साधन अधिक बनता जा रहा है। जो माध्यम जोड़ने के लिए था, वही अब दूरियां पैदा करने का कारण प्रतीत होने लगा है। राजनीति का जन्म समाज को व्यवस्थित और अनुशासित करने के लिए हुआ था। वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु अंतिम ध्येय लोक-कल्याण ही होना चाहिए था। दुर्भाग्यवश, आधुनिक राजनीति ने विचारों से अधिक 'पहचान' की दीवारें खड़ी कर दी हैं। भाषा, जाति, धर्म और क्षेत्र के नाम पर लोगों को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा किया जा रहा है। अब विमर्श विकास पर नहीं, बल्कि इस पर केंद्रित हो गया है कि कौन किसके विरुद्ध है। राजनीति, जिसका कार्य संवाद स्थापित करना था, वह अब टकराव की भाषा बोलने लगी है। इन दोनों के मध्य एक और विकृत वर्ग खड़ा हो गया है, जिसे सार्वजनिक रूप से कोई नाम तो नहीं देता, पर समाज उसे भली-भांति पहचानता है। यह वह 'दलाली' है, जो धर्म और राजनीति दोनों के नाम पर फल-फूल रही है। जहाँ श्रद्धा होती है, वहाँ चंदा और सौदेबाजी शुरू हो जाती है; जहाँ जनसेवा होनी चाहिए, वहाँ कमीशन और सिफारिश का खेल चलने लगता है। इस वर्ग का न कोई सिद्धांत होता है, न कोई विचार। इनका एकमात्र लक्ष्य अपनी तिजोरियां भरना है, चाहे इसके लिए समाज की एकता टूटे या लोगों का भरोसा खंडित हो जाए। इसका सबसे घातक परिणाम यह हुआ है कि सामान्य नागरिक भ्रमित हो गया है। वह यह समझ पाने में असमर्थ है कि धर्म की चर्चा करने वाला वास्तव में आत्मिक कल्याण के लिए है या निजी लाभ के लिए; और राजनीति की बात करने वाला राष्ट्र के लिए सोच रहा है या अपनी सत्ता के लिए। इसी भ्रम का लाभ उठाकर स्वार्थी तत्व दोनों ओर से मलाई काट लेते हैं। धर्म के नाम पर भावनाओं का व्यापार किया जाता है और राजनीति के नाम पर भय या प्रलोभन का वातावरण निर्मित किया जाता है। समस्या धर्म या राजनीति के मूल स्वरूप में नहीं है, बल्कि उनके विचलन में है। जब धर्म सत्ता प्राप्ति का उपकरण बन जाए और राजनीति सेवा के स्थान पर व्यवसाय बन जाए, तब समाज का विघटन सुनिश्चित है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आम नागरिक जागरूक बने और प्रश्न पूछे। हमें यह समझना होगा कि न तो हर धार्मिक मंच पवित्र होता है और न ही हर राजनीतिक नारा जनहित में होता है। यदि धर्म को पुनः जोड़ने वाली शक्ति बनना है, तो उसे आडंबरों के घेरे से बाहर आना होगा। यदि राजनीति को वास्तव में समाज का हित करना है, तो उसे घृणा की भाषा का त्याग करना होगा। और यदि इस दलाली की व्यवस्था को रोकना है, तो समाज को विवेकपूर्ण होना पड़ेगा। जब तक प्रश्न पूछने वाला मौन रहेगा, तब तक सत्य को बेचने वाला निर्भीक रहेगा। यह कोई विद्वतापूर्ण शोध नहीं, बल्कि एक सामान्य-सी पीड़ा है जो हर उस व्यक्ति के मन में है जो समाज को बिखरते देख रहा है, फिर भी यह आशा रखता है कि इंसान, इंसान से जुड़ा रहे।

नितिन जैन संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा) जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल संपर्कः 9215635871

NIMS University Rajasthan के विद्यार्थियों का Rajasthan Legislative Assembly में शैक्षणिक भ्रमण

जयपुर। NIMS University Rajasthan के जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन तथा मानविकी विभाग के विद्यार्थियों ने गुरुवार को Rajasthan Legislative Assembly के बजट सत्र का शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों को विधानसभा की कार्यवाही प्रत्यक्ष रूप से देखने और बजट पर हुई चर्चा को सुनने का अवसर मिला। भ्रमण के दौरान छात्रों ने विधायी प्रक्रिया, बजट प्रस्तुति की परंपरा तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर होने वाली बहस को निकट से समझा। मीडिया विद्यार्थियों ने मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों से संवाद कर विधानसभा रिपोर्टिंग के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण से पाठ्यक्रम के साथ व्यावहारिक अनुभव भी मिलता है, जो भविष्य के करियर के लिए अत्यंत उपयोगी है। इस अवसर पर विभाग की डीन डॉ. सारिका ताखर सहित डॉ. दीपिका वार्ष्णेय, डॉ. निशी फातिमा, अंजुम शाहीन और कुश शर्मा उपस्थित रहे।

|| श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय नमः ||
पद्मपुरा
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव
दिनांक 18 से 22 फरवरी 2026
श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा नवनिर्मित खड्गासन चौबीसी
एवं
पद्मबल्लभ शिखर कलश - ध्वजारोहण महामहोत्सव
श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
पद्मपुरा (बाड़ा) जयपुर, राजस्थान
: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ
: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ
प्रतिष्ठाचार्य : पं. हँसमुख जी जैन (धरियावद) राज.
: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि
पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज
ससंघ
पधारो
पद्मपुरा बाड़ा
जहां धर्म की ज्योति प्रज्ज्वलित होती है
: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका
105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी
ससंघ
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में इन्द्र एवं अन्य पात्र बनने के लिए सम्पर्क करें।
सुधीर कुमार जैन 'एडवोकेट' 94140 50432
हेमन्त सौगानी 'एडवोकेट' 98290 64506
राजकुमार कोठ्यारी 94140 48432
निवेदक
पद्मपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति
अन्तर्गत : प्रबन्ध समिति, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पद्मपुरा (बाड़ा), जयपुर, राजस्थान
सकल दिगम्बर जैन समाज पद्मपुरा एवं जयपुर (राजस्थान)
महोत्सव कार्यालय : एच-24, चितरंजन मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302 001 | मोबाईल नम्बर : 94140 48432, 98290 64506
क्षेत्रीय कार्यालय : बाड़ा पदमपुरा जयपुर 303 903 | मोबाईल नम्बर : 90579 03365

कामां में दो दिगंबर संत संघों का अद्भुत मिलन, वात्सल्य देख भावुक हुए श्रद्धालु

बैंड-बाजों और जयकारों के साथ हुआ मंगल प्रवेश; 15 फरवरी से बोलखेड़ा में शुरू होगा पंचकल्याणक महोत्सव

कामां (डीग). शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज कामवन (कामां) के तत्वावधान में गुरुवार को डीग गेट पर दो दिगंबर संत संघों का ऐतिहासिक और भावनात्मक मिलन हुआ। इस वात्सल्यमयी दृश्य को देखकर उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालु भावुक हो उठे और इस मंगल मिलन के साक्षी बनकर स्वयं को धन्य माना। वात्सल्य भाव से सराबोर हुआ वातावरण जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया कि कामां तहसील के ग्राम बोलखेड़ा में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव हेतु आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज का मंगल विहार चल रहा है। जैसे ही मुनि श्री का सेऊ गांव से विहार करते हुए कामां नगरी में पदार्पण हुआ, वहाँ पहले से विराजमान आचार्य श्री विनीत सागर जी महाराज एवं मुनि श्री अर्पण सागर जी महाराज ने डीग गेट पहुँचकर उनकी अगवानी की। दोनों संतों ने एक-दूसरे को गले लगाकर वात्सल्य भाव प्रकट किया, जिसे देख पूरा वातावरण जयकारों से गुंजायमान हो उठा। जैन धर्म के नारों से गूँजी कामां नगरी संत मिलन के पश्चात बैंड-बाजों के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस नगरपालिका, मुख्य बाजार और लाल दरवाजा होते हुए मंदिर पहुँचा। युवाओं ने 'जैन धर्म की जय' और 'गुरुदेव के जयकारों' से आकाश गुंजा दिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पाद-प्रक्षालन और आरती कर संतों का स्वागत किया।

संतों का संदेश

मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पुण्यशाली जीवों को ही ऐसे अद्भुत संत मिलन के दृश्य देखने का सौभाग्य मिलता है। मनुष्य को अपना समय धार्मिक क्रियाओं और संतों के सानिध्य में व्यतीत करना चाहिए। आचार्य श्री विनीत सागर जी महाराज ने समाज की सराहना करते हुए कहा कि कामां का जैन समाज धार्मिक एवं नैतिक विचारों से ओत-प्रोत है और यहाँ के युवाओं का उत्साह प्रशंसनीय है। 15 फरवरी से पंचकल्याणक का शुभारंभ समाज के संजय जैन बड़जात्या ने जानकारी दी कि आगामी 15 फरवरी से बोलखेड़ा में ध्वजारोहण के साथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य शुभारंभ होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे।

जयपुर में तीन तीर्थंकरों के कल्याणक महोत्सव की धूम

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाए जाएंगे विशिष्ट दिवस

प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का ज्ञान, श्रेयांसनाथ भगवान का जन्म-तप और मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव आज से

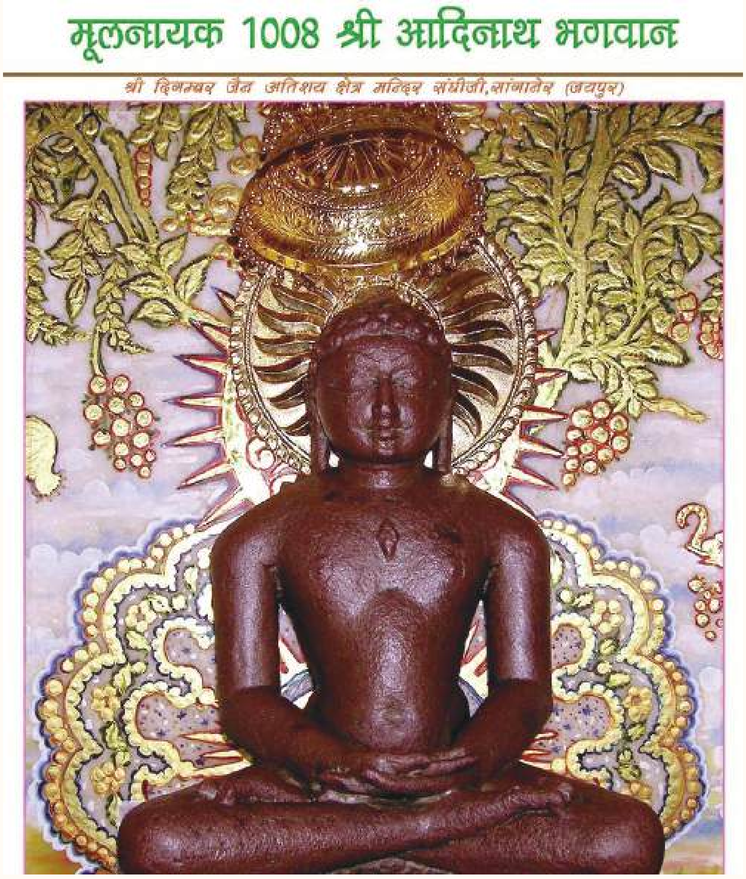

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजधानी सहित प्रदेश भर के दिगंबर जैन मंदिरों में आगामी 13 और 14 फरवरी को जैन धर्म के तीन प्रमुख तीर्थंकरों के जन्म, तप, ज्ञान और मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़ी श्रद्धा के साथ मनाए जाएंगे। इस अवसर पर मंदिरों में विशेष अभिषेक, शांतिधारा, विधान और निर्वाण लाडू चढ़ाने जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। **13 फरवरी (शुक्रवार):** आदिनाथ और श्रेयांसनाथ भगवान के कल्याणक राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि शुक्रवार, 13 फरवरी को जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का ज्ञान कल्याणक दिवस मनाया जाएगा। साथ ही, ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांस नाथ के जन्म व तप कल्याणक दिवस के उपलक्ष्य में विशेष आयोजन होंगे। प्रातःकाल भगवान के अभिषेक के पश्चात विश्व शांति की मंगल कामना के साथ 'शांतिधारा' की जाएगी। श्रद्धालु मंत्रोच्चार के साथ भगवान को अर्घ्य समर्पित करेंगे और महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। **14 फरवरी (शनिवार):** भगवान मुनिसुव्रतनाथ का निवाणोत्सव शनिवार, 14 फरवरी को बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर मंदिरों में निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। पदमपुरा अतिशय क्षेत्र में वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी के सानिध्य में भव्य आयोजन होंगे। इसके अतिरिक्त वाटिका के नवग्रह मंदिर, कल्याण नगर और महल योजना स्थित मुनिसुव्रतनाथ मंदिरों में भी निवाणोत्सव की धूम रहेगी। प्रमुख संतों का मिलेगा सानिध्य विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार, इन महोत्सवों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में पूज्य संतों का सानिध्य प्राप्त होगाः **अतिशय क्षेत्र पदमपुराः** आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ। **वैशाली नगर (महावीर मंदिर):** आचार्य सुंदर सागर महाराज एवं आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ। चूलगिरी, संघीजी (सांगानेर), चौबीस महाराज मंदिर, चुलगिरी, जयसिंहपुरा खोरः इन स्थानों पर भी विशेष मंडल विधान और पूजा अर्चना होगी। आगामी कार्यक्रमः 16 फरवरी श्री जैन ने बताया कि सोमवार, 16 फरवरी को बारहवें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस दिन भी शहर के दिगंबर जैन मंदिरों में विशेष अभिषेक एवं पूजा-अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे।

तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय का तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव आज से

स्वर्ण कलश शोभायात्रा के साथ हुआ भव्य आगाज; 'सीता की अग्नि परीक्षा' का होगा मंचन

जबलपुर. शाबाश इंडिया

संस्कारधानी के शुकवारी बजरिया स्थित नवनिर्मित एवं मनोहारी तीन वेदी युक्त श्री तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय का तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव आज शुक्रवार से भक्तिभाव के साथ प्रारंभ हो रहा है। यह महोत्सव रविवार, 15 फरवरी तक चलेगा। स्वर्ण कलशों के साथ निकली भव्य घट यात्रा महोत्सव के मंगल उपलक्ष्य में गुरुवार को नगर में स्वर्ण कलश सहित भव्य घट यात्रा निकाली गई। मांगलगान और जयघोष के साथ शोभायात्रा सौभाग्यशाली परिवारों के निवास से प्रारंभ होकर

'पुष्पवती नगरी' समवशरण मंडप (फूटाताल) पहुँची। यहाँ श्रद्धालुओं ने अटूट श्रद्धा के साथ स्वर्ण कलश समाज को समर्पित किए। इस दौरान संपूर्ण वातावरण जिनशासन की मंगल प्रभावना से सराबोर हो गया। देशभर से उमड़े श्रद्धालु वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर सकल तारण समाज एवं वेदी सूतन कर्ता 'रामडिम मूरी परिवार' में भारी उत्साह है। आयोजन समिति के आमंत्रण पर प्रदेश और देशभर से त्यागी, व्रती साधक और श्रेष्ठिगण संस्कारधानी पहुँच चुके हैं। आज के मुख्य आकर्षण (शुक्रवार, 13 फरवरी): मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन एवं नितिन जैन ने बताया कि प्रथम दिवस के कार्यक्रम इस प्रकार रहेंगे: प्रातः: सामयिक, ध्यान, प्रभात फेरी एवं तारण त्रिवेणी पाठ। पूर्वाह्नः ध्वजारोहण, अस्थाप का महत्व पर प्रवचन एवं मंदिर विधि। दोपहरः पात्र भावना एवं ऐतिहासिक 'जिनवाणी अस्थाप' समारोह। रात्रिः महाआरती एवं भक्ति के पश्चात महिला मंडल व बच्चों द्वारा 'सीता की अग्नि परीक्षा' नाटक की विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। धर्म लाभ की अपील ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश समैया, शरद समैया, राहुल जैन सहित आयोजन समिति और रामडिम मूरी परिवार ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से इस ऐतिहासिक महोत्सव में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

कोटाः मुनि योगसागर जी की प्रेरणा से 21 बच्चों ने किया 'फास्ट फूड' का त्याग

शेर कभी शेर का शिकार नहीं करता, पर आज मनुष्य ही मनुष्य का शत्रु बना है: मुनि योगसागर

कोटा (राज.). शाबाश इंडिया। दादाबाड़ी स्थित पुण्योदय अतिशय क्षेत्र नसिया जी में निर्यापक श्रमण मुनि 108 श्री योगसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में भव्य धर्मसभा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर आचार्य विद्यासागर पाठशाला के 21 बच्चों ने जैन सिद्धांतों और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आजीवन 'फास्ट फूड' त्यागने का संकल्प लेकर सबको प्रभावित किया। धर्मसभा में मुनि श्री का उद्बोधन मुनि श्री योगसागर जी ने 'दया धर्म का मूल है' विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में मनुष्य का दृष्टिकोण संकुचित हो गया है। दूसरों के प्रति दयाभाव की कमी ही दुखों का मुख्य कारण है। उन्होंने इंद्रिय नियंत्रण का संदेश देते हुए कहा कि शेर कभी अपनी ही जाति का शिकार नहीं करता, किंतु आज मनुष्य ही मनुष्य के पीछे पड़ा है, जो चिंताजनक है। मुनि श्री ने स्पष्ट किया कि जब तक तृष्णा और अहंकार पर नियंत्रण नहीं होगा, तब तक आत्मकल्याण संभव नहीं है। प्रमुख आयोजन एवं व्यवस्थाएँ क्षेत्र अध्यक्ष जम्बू जैन सर्राफ एवं महामंत्री महेंद्र कासलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य विद्यासागर जी महाराज की पूजा, चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सुशीला देवी-विकास ठोरा परिवार को शास्त्र भेंट का सौभाग्य मिला। मुनि श्री को आहार देने का पुण्य ऋषभ-मनीष मोहिवाल परिवार को प्राप्त हुआ। समाज ने मुनि श्री से दादाबाड़ी में आगामी 17 फरवरी को आचार्य विद्यासागर जी के समाधि दिवस और सिद्धचक्र महामंडल विधान के आयोजन हेतु निवेदन किया। प्रशासनिक मंत्री अर्चना सर्राफ और पारस दोराया के अनुसार, कल प्रातः पुनः मुनि श्री के प्रवचन नसिया जी में आयोजित होंगे।

धर्मनगरी टोंक में ऐतिहासिक होगा अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का मंगल प्रवेश

आचार्य इंद्रनंदी महाराज के साथ होगा अद्भुत 'वात्सल्य मिलन'; तैयारियों में जुटा जैन समाज

टोंक. शाबाश इंडिया। राजस्थान की ऐतिहासिक धर्मनगरी टोंक एक बार फिर महान दिगंबर संतों के पावन चरणों से धन्य होने जा रही है। उपवास शिरोमणि, अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ससंघ (16 पिच्छी) का भव्य मंगल प्रवेश आगामी 14 फरवरी, शनिवार को होने जा रहा है। इस अवसर पर टोंक में दो महान संत संघों का मिलन भी देखने को मिलेगा। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान और अनिल सर्राफ ने बताया कि मंगल प्रवेश यात्रा प्रातः 8:30 बजे घंटाघर से प्रारंभ होगी। यह यात्रा नगर के मुख्य मार्गों और बड़ा कुआं से होती हुई श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र नसिया जी पहुंचेगी। प्रातः 9:00 बजे नसिया जी में प्रवेश संपन्न होगा, जिसके पश्चात प्रातः 10:00 बजे आचार्य संघ की आहारचर्या होगी।

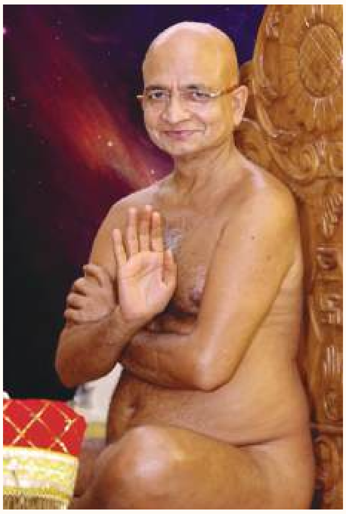

दो महान संतों का होगा वात्सल्य मिलन

इस मंगल प्रवेश का सबसे बड़ा आकर्षण नसिया जी में विराजमान आचार्य श्री 108 इंद्रनंदी जी महाराज ससंघ (14 पिच्छी) के साथ आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज का 'वात्सल्य मिलन' होगा। दो महान आचार्यों का एक साथ संगम टोंक के जैन समाज के लिए सौभाग्य का विषय है।

स्वागत की व्यापक तैयारियां

पूरे टोंक नगर को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। भक्तों में भारी उत्साह को देखते हुए स्वागत को भव्य स्वरूप दिया गया है: **सजावटः** सम्पूर्ण मार्ग को केसरिया ध्वज-पताकाओं और स्वागत द्वारों से सजाया गया है। **लवाजमाः** पारंपरिक ऐतिहासिक लवाजमा, बैंडों की मधुर ध्वनि और ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ आचार्य श्री की अगवानी की जाएगी। **जनसैलाबः** इस अलौकिक दृश्य का साक्षी बनने के लिए देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

पुण्य का अवसर

विदित रहे कि वर्ष 2025 में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का ऐतिहासिक चातुर्मास भी टोंक की इसी पावन धरा पर संपन्न हुआ था। सकल दिगंबर जैन समाज टोंक ने समस्त गुरुभक्तों से इस अविस्मरणीय क्षण का हिस्सा बनकर पुण्य अर्जित करने का आग्रह किया है।